Result Mitra IAS/PCS Daily Magazine Content

भारत में लिंगानुपात

➢ हालिया संदर्भ :

- 2019 में 923 के उच्चतम स्तर तक पहुंचने के बाद हरियाणा में जन्म के समय लिंगानुपात 2024 में घटकर 910 हो गया, जो पिछले 8 वर्षों में सबसे निचला स्तर है।

➢ हरियाणा का प्रदर्शन :

- *** 2011 की जनगणना के अनुसार हरियाणा का लिंगानुपात 877 था, जो 2014 में घटकर 871 हो गया, जिसे देशभर में आक्रोश एवं चिंता एक साथ पैदा किया।
- *** स्थिति को सुधारने के लिए पानीपत से नरेंद्र मोदी ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' नामक महत्वाकांक्षी अभियान को शुरू किया।
- सरकारी एवं नागरिक के संयुक्त प्रयासों के फलस्वरुप हरियाणा का लिंगानुपात लगातार बढ़ते गया, जो 2016 में 900 एवं 2019 में 923 तक पहुंच गया।
- 2023 में यह 916 एवं 2024 में यह घटकर 910 हो गया, जो एक बड़ा झटका है, विशेषकर तब जब राज्य की महिलाएं राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा के साथ-साथ खेल क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही है।

➢ बदलते सूरत का हाल :

- 2014–2019 में लिंगानुपात में जो सुधार हुआ, उसका प्रमुख कारण प्री–कॉन्सेप्शन एवं प्री–नेटल डायग्नोस्टिक टेक्नीक एक्ट, 1944 (PNDT एक्ट) का सख्त प्रवर्तन एवं गहन जागरूकता अभियान रहा।
- दोनों प्रयासों का मुख्य लक्ष्य जन्म से पहले लिंग जांच एवं कन्या–भ्रूण हत्या पर रोक लगाना था।

- सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि हाल के वर्षों में PNDT एक्ट के प्रवर्तन में ढील देने से प्रदर्शन में गिरावट आई है।
- अखिल भारतीय लोकतांत्रिक महिला संघ के अनुसार, बढ़ती महंगाई के कारण कई परिवार One Child Policy (विशेषकर लड़का मामले में) अपना रहे हैं। साथ ही दहेज की मानसिकता के कारण लोग अभी भी बेटी को बोझ समझते हैं।

Note :– *** लिंगानुपात का तात्पर्य प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या से है, जो लैंगिक समानता को मापने एवं समाज में महिलाओं की स्थिति जांचने का एक आदर्श संकेतक है।

➢ *** **कुछ प्रमुख तथ्य :**

- 2011 के जनगणना के अनुसार, भारत का लिंगानुपात 943 था, जबकि 2001 में यह 933 था।
- 2001 की जनगणना के अनुसार, भारत का शिशु लिंगानुपात (0–6 वर्ष) 919 था, जबकि 2001 में यह 927 था।
- 2021 में प्रकाशित NFHS–5 (राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार सर्वेक्षण) के अनुसार, भारत में जन्म के समय कुल लिंगानुपात 929 था।

Result Mitra

➢ *** **2011 की जनगणना के अनुसार, सर्वाधिक लिंगानुपात वाले 5 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश (UT) :**

1. केरल –1084
2. पुडुचेरी – 1038
3. तमिलनाडु – 995
4. आंध्र प्रदेश – 992
5. छत्तीसगढ़ – 991

➢ *** **2011 की जनगणना के अनुसार, न्यूनतम लिंगानुपात वाले राज्य/UT :**

1. दमन एवं दीव – 618

2. दादरा एवं नगर हवेली – 775
3. चंडीगढ़ – 866
4. हरियाणा – 877
5. अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह – 878
6. जम्मू कश्मीर – 883
7. सिक्किम – 889

Note :– 2020 की रिपोर्ट (रजिस्ट्रार जनरल की नागरिक पंजीकरण प्रणाली) के अनुसार, लद्दाख में जन्म के समय लिंगानुपात 1104 था, जो पूरे देश में सर्वाधिक है।

- इसी रिपोर्ट के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में जन्म के समय लिंगानुपात 921 था।
- दमन एवं दीव तथा दादरा एवं नागर हवेली अब संयुक्त रूप से एक ही UT है।

Note :– 2001–2011 की तुलना में लिंगानुपात में सर्वाधिक वृद्धि दिल्ली (45) एवं चंडीगढ़ (45) में हुआ, जबकि सर्वाधिक कमी दमन एवं दीव (91) में हुआ।

➢ बालिका संबंधित योजनाएं :

1. बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ

- *** 22 जनवरी 2015 को शुरुआत,
- *** महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा शिक्षा मंत्रालय की संयुक्त पहल,
- शुरुआत में सिर्फ कम लिंगानुपात वाले जिले में लेकिन बाद में पूरे देश में क्रियान्वयन,
- कन्या भ्रूण हत्या को रोकना एवं बालिकाओं का संपूर्ण विकास सुनिश्चित करना उद्देश्य,

2. सुकन्या समृद्धि योजना

- इसे 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत छोटी बचत योजना के तहत शुरू किया गया था।
- *** इसके अंतर्गत माता-पिता या अभिभावक 10 वर्ष से कम उम्र की बालिका के लिए किसी भी डाकघर या निर्धारित सरकारी बैंक में खाता खुलवा सकते हैं।

- *** इस योजना का लाभ हिंदू अविभाजित परिवार एवं अनिवासी भारतीय (NRI) प्राप्त नहीं कर सकते है।
- प्रारंभिक रूप से 1 हजार से 1.5 लाख तक खाते में जमा किया जा सकता है, जिस पर निर्धारित दर से ब्याज प्रदान किया जाता है।

3. बालिका समृद्धि योजना

- यह एक छात्रवृत्ति योजना है, जो गरीबी रेखा से नीचे वाली लड़कियों को आर्थिक सहायता के रूप में प्रदान किए जाते हैं।
- इसमें जन्म से लेकर 18 वर्ष के होने तक धनराशि प्रदान किया जाता है।

➢ अन्य योजनाएं :

- CBSE उड़ान योजना,
- माध्यमिक शिक्षा प्रोत्साहन योजना,
- धनलक्ष्मी योजना,

➢ राज्य सरकार से संबंधित योजनाएं :

- लाडली योजना–हरियाणा
- लाडली लक्ष्मी योजना–मध्य प्रदेश
- भाग्यश्री योजना–कर्नाटक
- माजी कन्या भाग्यश्री योजना–महाराष्ट्र
- कन्या श्री प्रकल्प योजना–पश्चिम बंगाल

MCQ–1 : निम्नलिखित कथनों में से सत्य कथन के आधार पर विकल्प का चयन करें–

1. 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय एवं महिला तथा बाल विकास मंत्रालय की संयुक्त पहल है।
2. 2011 की जनगणना के अनुसार (तत्कालीन परिदृश्य) भारत के सभी केंद्र शासित प्रदेशों का लिंगानुपात राष्ट्रीय स्तर से कम है।
3. सुकन्या समृद्धि योजना के तहत अनिवासी भारतीय पात्रता नहीं रखते हैं।
4. शिशु लिंगानुपात का तात्पर्य जन्म से लेकर 6 महीने के प्रति 1000 बाल शिशुओं पर बालिकाओं की संख्या से है।

a) केवल 2, 3 एवं 4
b) केवल 1, 3 एवं 4
c) केवल 2 एवं 4
d) केवल 1 एवं 3

Ans.–(d)

Mains–1 : "भारत में कम लिंगानुपात की समस्या सामाजिक मानसिकता से जुड़ी है लेकिन सरकारी प्रयास इस समस्या को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।" कथन की समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

हम आपको रिजल्ट देने आये हैं.

Result Mitra

1- UPSC(IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.

2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹

3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹

4- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹

5- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

कोर्स या Test Series के लिए

WhatssApp कीजिये

9235313184, 9235446806